Ch-2 राजेल काल प्रका अज्यन पानी ज्याता वर्गी ले जा रहा था ? उक्र भारतामा में आए हुए लोगों के लिए त्यानी की तर टिंगा रहा था जाकि वे नहा सिके कि वि । प्रखी एक ब्रावित ने अण्णन से वर्गा कहाते के 50 उख) एक धीवत ने गण्णन का वास्तरा देन का कहा ताक वी गी नहा सके। प्रजा) ग्राम्पन ने यित को बालटी की नहीं दी? 3 21) राज्यम् में खाक्त की नालटी महीं ही कमीकिनालटी देने में उसे देर हो जाती और वह यह नहीं पाहता था। प्रधा अल्ला में राजेंद्र बाबू से क्षमा क्यों मांगी? उद्य) अण्णेन की जिस पता चला कि जिसे बराने बालटी देने से मना किया था वी एक इतने बड़े सादमी है तो उसे बहुत वार्म आर् सीर् उसने राजेंक्रांनू में धुमा मांजी। प्र डः) व्यक्ति में वालटी क्यों माना? उ डः) अवित ने वालटी दूसील्या मांगी वसाक्षे उसे भी नहामा प्रच) राजेंद्र वानू कैरी व्यक्ति थे? उ ना) राजेंद्र वाबू एक सीधी - मादी, अंटकार दीन व्यक्ति थे िसिने देश की सेवा करने में अपना जीवन विवादिया।

Scanned with CamScanner